

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

जा. क्र. अभ्यासमंडळे/आयु. मेडिकल/ १४२२७/

दिनांक : १५.२.१९९०

प्रति,

प्राचार्य,

- १] एस्. सी. मुधा आर्यागल वैद्यक महाविद्यालय, सातारा
- २] एस्. जी. आर. आयुर्वेद महाविद्यालय, सोलापूर
- ३] वसंतदादा पाटील आयुर्वेदिक मेडिकल कॉ. अँड
इन्स्टिट्यूट ऑफ योगा, सांगली

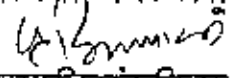
विषय : एम. डी. आयुर्वेद अभ्यासक्रमातील रसशास्त्र
शैषज्य कल्पना रचना शरीर व द्रव्यगुणा
विज्ञान या विषयांच्या प्रात्यक्षिक परीक्षेच्या
गुणा विभागणीबाबत.

महोदय,

उपरोक्त विषयास अनुसरून कळविण्यात येते की, सोबत जोडलेल्या
यादीप्रमाणे एम. डी. [आयुर्वेद] अभ्यासक्रमातील रसशास्त्र शैषज्य कल्पना,
रचना शरीर व द्रव्यगुणा विज्ञान या विषयांच्या प्रात्यक्षिक परीक्षेच्या
सुधारीत गुणा विभागणीस विद्यापीठ अधिकार मंडळाने मान्यता दिली आहे.

सदर सुधारीत प्रात्यक्षिक गुणा विभागणीची अंमलबजावणी ही
जून, १९८९ ला प्रवेश घेतलेल्या विद्यार्थ्यांच्या परीक्षांसाठी करणेची आहे
याची नोंद घ्यावी ही विनंती.

तरी सदरची बाब सर्व संबंधित शिक्षक व विद्यार्थ्यांच्या
निदर्शनास आणावी.

आपला विश्वास,

कुलसचिवांकरिता

प्रत : १] निधुक्ती विभाग
२] इतर परीक्षा विभाग ३
यांना माहितीकरिता व पुढील योग्य त्या कार्यवाहीसाठी.

संजय.

[१०६९]९०

१] रसशास्त्र भेषज्य कल्पना -

रसशास्त्रासाठी प्रात्यक्षिक परीक्षेत ५० गुण आढेत त्यापैकी प्रत्यक्ष औषधी कल्प निर्मिती व जर्नल १० गुण व मौखिक परीक्षेत ४० गुण असावेत. प्रात्यक्षिक परीक्षेत जर्नल असावे. खात्रीत औषधी कल्पांचा प्रत्यक्ष रुग्णावर चिकित्सा करून त्यासंबंधी २५ नोंदी [केस पेपर्स] कराव्यात.

- १] कज्जली, २] रसपर्पटी, ३] पंचामृत पर्पटी, ४] त्रिभुजन किर्ती वा आनंद भैरव, ५] सूतशेखर, ६] कामदुधा, ७] प्रकाश पंचामृत, ८] दशमूल क्वाथ, ९] शडंगवानिय, १०] सितोपलादी चूर्ण, ११] शुष्ठीकस्त, १२] पंचकोल फान्ट, १३] धान्यक हिम, १४] गुडुचित धनसार व कुमारी रसक्रिया, १५] क्षीरसिद्ध कल्प, [अर्जुन क्षीरपाक वा रसोन क्षीरपाक] १६] स्नेहसिद्धी - क्षीरघटपल धृत, [बजातैल, नारायणतैल पैकी किंवा रोपण, शोधन तैल, १७] वासावलेह, कुटजावलेह, च्यवनप्राशा पैकी रस, १८] तुलसी, आर्द्रक, कुमारी स्वरस, १९] द्वाक्षातव कुमारी आसवा पैकी रस, २०] गुडुचि तत्त्व, २१] गंधक मलहर, २२] अतसी उपनाह, २३] दशंगलेप, २४] खर्जुर मंथ, २५] त्रिफला गुगुल.

दुसरा विभाग प्रत्यक्ष उपयोगासंबंधी रुग्णालय व बाह्यरुग्ण विभागात रुग्ण परीक्षण व ह्यापैकी योग्य कल्प निवडून त्याचा रुग्णात चिकित्सा करून त्याची नोंद ठेवावी.

त्यासाठी कोणतेही पाचकल्प घ्यावेत व किमान दहा रुग्णात वापरून त्यांचा परिणाम अभ्यासावा. मौखिक परीक्षेत त्या अनुरोधाने परीक्षा घ्यावी.

[४० मार्कासाठी असणारी मौखिक]

प्रत्यक्ष प्रयोगासाठी कल्प निर्मिती व जर्नल मिळून १० गुण असावेत. परीक्षेचे वेळी उपलब्धता व वेळेचा विचार करून वरीलपैकी एक कल्प प्रत्यक्ष करण्यात यावा व त्यासंबंधी प्रात्यक्षिकांची मौखिक परीक्षण इ. चा विचार व्हावा.

सदर परीक्षा पदवी परीक्षेनंतर असल्याने नित्यउपयोगी अशा स्वस्थात सामान्यपणे चिकित्सा विचार प्रधान देऊन परीक्षा व्हावी.

रसशास्त्र व भेषज्य कल्पना प्रात्यक्षिक परीक्षा गुणपत्रक

| उमेदवार नंबर | औषधी निर्माणा प्रात्यक्षिक व जर्नल मिळून | औषधी कल्प रुग्ण चिकित्सा व मौखिक | एकूण गुण |
|--------------|--|----------------------------------|----------|
| | १० | ४० | ५० |

२] रचना शारीर प्रात्यक्षिक परीक्षा -

| | गुण |
|--|-----|
| १] पंचकूनेन्द्रिय पंचकसेन्द्रिय | ५ |
| २] स्त्रोतस्य मर्म शिराधमनी नाडी परीचय | १० |
| ३] अस्थिसंधी उत्सर्गांगीय शारीर निस्त्रोत ग्रंथी | १० |
| ४] वस्तुनिष्ठी परीक्षण [५ नमुने] | ५ |

मौखिक

३० मार्क

२० मार्क

५० मार्क

क्रिया शारीर

| | गुण |
|--|-----|
| १] रक्त परीक्षण इ. एम. आर. स्प. बी. टी. , सी. डी. सी. इत्यादी | ५ |
| २] मूत्र परीक्षण किंवा | ५ |
| ३] मल परीक्षण | ५ |
| ४] प्रकृति परीक्षण | १० |
| ५] धातु सारत्व | १० |

३०

मौखिक

गुण

स्नाईइत/सर्घा

५

हन्स्ट्रुमेंट/सर्घा

५

दोषधातुमल विज्ञान मौखिक

५

आधुनिक रितीने सर्व स्त्रोतस्य मौखिक

५

२०

३] द्रव्यगुण विज्ञान -

द्रव्यगुण विज्ञान प्रात्यक्षिक परीक्षा ५० गुणांची असेल. द्रव्यधिकित्ता पत्रके व प्रयोगशालीय द्रव्य परीक्षण - २० व मौखिक ३० .

खालील यादीपैकी किमान ५ द्रव्यांची स्फेरी द्रव्य धिकित्ता केलेली योग्य प्रकारे प्रमाणित केलेली २५ सणा पत्रके असावीत.

| | | |
|---------------|--------------|---------------|
| १] गुडुचि, | २] वस्पा: | ३] निम्बुक : |
| ४] बिल्व : | ५] बाकुचि | ६] शिंगु: |
| ७] करंज : | ८] निम्ब : | ९] कांचनारा: |
| १०] आरग्वधा : | ११] अशोक : | १२] खदिर : |
| १३] हरितकी | १४] धान्यकम् | १५] भृंगराज : |

| | | |
|--------------|---------------|--------------|
| १६] चित्रक | १७] कुटज | १८] कंठकारी |
| १९] धतुर | २०] ब्राम्ही | २१] वासा |
| २२] निर्गुडी | २३] तुलसी | २४] पुनर्नवा |
| २५] अपामार्ग | २६] मरिचम् | २७] पिप्पली |
| २८] चंदनम् | २९] सरंड | ३०] आमलकी |
| ३१] हरीद्रा | ३२] आर्द्रकम् | ३३] रसोनः |
| ३४] कुमारी | ३५] उशिरम् | ३६] मुस्तकम् |
| ३७] अश्वगंधा | ३८] शतावरी | ३९] भल्लातक |
| ४०] गुग्गुलू | | |

गुण विभागणी

एकूण गुण - ५०

द्रव्यावली स्केरी द्रव्याची प्रयोगशाळा मौखिक - ३०

चिकित्सा पत्रके व परीक्षण - २०

संजय.

[१०३३-३८]९०